श्री महावीराय नमः

जय गुरु हीरा | श्री कुशलरत्नगजेन्द्रगणिभ्यो नमः | जय गुरु मान

परस्परोपग्रहो जीवानाम्

रत्नम्

वर्ष-2, अंक-32 | 21 फरवरी, 2019 | जोधपुर (राज.)

हिन्दी पाक्षिक | पृष्ठ-16 | मूल्य 5/- प्रति अंक

RNI No. RAJHIN/2015/66547

सरल धर्म है 'दान'

ज्ञानियों ने दान को सरल बताने के साथ ही उसे पहले स्थान पर रखा है। दान, शील, तप और भावना में दान का स्थान पहला है। कारण है, दान सबसे सरल है। हर व्यक्ति दान दे सकता है चाहे वह छोटा हो या बड़ा। अमीर-गरीब सब दान कर सकते हैं। इस पंचम आरक रुप कलियुग में सबसे कोई सरल धर्म है तो वह है दान। दान-शील-तप-भावना में दान सरल है, सहज है, सीधा है, हर आदमी दान कर सकता है। शील पालना अवस्था के साथ होता है, तपश्चर्या समझदारी से होती है, भावना ज्ञान जगने से बनती है। दान सबके लिए है, सब कर सकते हैं।

-तीन प्रवचन-पीयुष भाग 5 से साभार

अध्यक्ष की कलम से

आदरणीय रत्नबन्धुवर,

सादर जय जिनेन्द्र !

जिनशासन जयवन्त है, जयवन्त रहेगा। हमारे आराध्य आचार्य भगवन्त पूज्य गुरुदेव श्री हस्तीमलजी म.सा. ने शासन-सेवा में एक-से-बढ़कर-एक अनेक विशिष्ट कीर्तिमान कायम किए। श्रमणसंघीय साधु-सम्मेलनों में बड़े-बड़े महापुरुषों ने खुले मन से कहा कि जब तक रत्नसंघ के नायक की किसी प्रस्ताव पर स्वीकृति-सहमति नहीं हो जाती, तब तक उस प्रस्ताव पर आगे विचार नहीं होगा। सचमुच, गुरु हस्ती का व्यक्तित्व-कृतित्व और नेतृत्व हर स्थिति-परिस्थिति में खरा उतरा, हमें इस पर गर्व है।

गुरु हस्ती एवं गुरु हीरा-गुरु मान के साथ सभी सन्त-सतीवृन्द के कृपा-प्रसाद तथा मेरे पूज्य पिताश्री जसवन्तराजसा एवं पूज्या मातुश्री सरदारकंवरजी के आशीर्वाद से मेरा जीवन, मेरे कर्म एवं मेरी धर्म में रुचि व भावना बनी। अखिल भारतीय श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ ने मुझे राष्ट्रीय अध्यक्ष का दायित्व दिया, संघ की शुभ भावना से मुझमें ऊर्जा का संचरण हुआ है। मेरा जीवन संघ-सेवा और संत-सेवा में समर्पित है और रहेगा भी। कहना चाहिए मुझे जीवन में सब कुछ बिना मांगे मिला है, जो कि पूज्य गुरुवर्य की कृपा और माता-पिता के शुभाशीर्वाद से संभव हुआ है।

आप संघ के आबाल-वृद्ध सभी सम्माननीय सदस्यों ने मुझे भारी जिम्मेदारी दी है, मैं आप-सबके स्नेह-सहयोग से प्रदत्त जिम्मेदारी का निर्वहन कर सकूं, इसका मैं अन्तर्मन से प्रयास करूंगा।

मैं संघ का एक सदस्य हूं। संघ-सदस्य के नाते मेरे से भूल हो सकती है परन्तु मैं गुरु भगवन्तों के शुभाशीर्वाद से एवं आप-सब संघ-सदस्यों के सहयोग से जिम्मेदारी का निर्वहन कर सकूंगा, ऐसा विश्वास है।

मेरे सहयोगी संघ-पदाधिकारीगण मेरी शक्ति है। हम-सब मिलकर संघ-दीप्ति में अपनी भूमिका व भागीदारी का सम्यक् निर्वहन कर संघ को सक्रिय-सक्षम व स्वावलम्बी बनाएं, यही मनोकामना है।

आप-हम सब गौरवशाली रत्नसंघ के सदस्य हैं। अतः संघ-सेवा, संत-सेवा, स्वधर्मी वात्सल्य-सेवा के साथ संघ की प्रवृत्तियों के पोषण एवं कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में हमारा सबका सहयोग बना रहे, यह समय का तकाजा है।

गुरु हस्ती ने जीवन-पर्यन्त सामायिक-स्वाध्याय का शंखनाद किया, परिणामतः जन-जन के मन में सामायिक-स्वाध्याय के प्रति अटूट आस्था बनना संघ का सौभाग्य है। हम, भले ही अपने-आपको गुरु हस्ती-गुरु हीरा का भक्त कहें या नहीं, पर हमारे आचार-विचार-व्यवहार को जान-देखकर अन्यान्य परम्परा के संत-सतीवृन्द यह कहते संकोच नहीं करते कि ये रत्नसंघ के सदस्य मालूम पड़ते हैं।

गुरु हस्ती की तरह गुरु हीरा ने भी जैनत्व का गौरव जगे, इस दृष्टि से व्यसन और फैशन को दो टूक शब्दों में त्याज्य बताया, सामूहिक भोज में रात्रि-भोजन त्याग का अभियान चलाया, शीलव्रती बनाने का अथक प्रयास, धर्मसंघ में युवकों को

साप्ताहिक सामूहिक सामायिक-साधना से जोड़ने की पहल जैसे कार्यक्रम निरन्तर निर्बाध चल रहे हैं। इसीलिए हम आगमज्ञ, प्रवचन-प्रभाकर, व्यसनमुक्ति के प्रबल प्रेरक आचार्यप्रवर पूज्य श्री हीराचन्द्र जी म.सा. को जिनशासन गौरव कहते हैं। हम, हमारे संघनायक के उपकारों से उपकृत हैं। गुरु के प्रति अनन्य आस्था व अटूट श्रद्धा हमारे संघ की विशेषता है।

रत्नसंघ में गुरु हस्ती ने प्रथम बार उपाध्याय पद सृजित किया। हम आत्मार्थी, शान्त-दान्त-गंभीर, प्रबल पुरुषार्थी पण्डित रत्न श्री मानचन्द्र जी म.सा. के प्रति भी आदरयुक्त श्रद्धा की अभिव्यक्ति करते हैं। हमारे संघ में एक नारा जन-जन की जिह्वा पर आ गया है- ''जैन जगत् के दिव्य सितारे, हस्ती-हीरा-मान हमारे।'' गुरु हीरा-गुरु मान की जोड़ी संघ-समाज के लिए शुभ है, सार्थक है और हितावह भी है।

मैंने संघ की साधारण सभा में कहा था कि संघ/समाज में जहां भी चुनाव होते हैं वहां परस्पर का प्रेम-स्नेह-सौहार्द तो कम होता ही है, मनमुटाव और वैमनस्य भी बढ़ता है। सचमुच, चुनावों में हम खोते ही खोते हैं, जबकि मनोनयन में आत्मीयता और अपनत्व के साथ भाईचारे की भावना बढ़ती है। जहां भी स्थानीय स्तर पर श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ, श्री जैन रत्न श्राविका मण्डल और श्री जैन रत्न युवक परिषद् की शाखाएं हैं वे समय के साथ त्रि-वार्षिक मनोनयन की स्वतः प्रक्रिया अपनाकर संघ के संगठन को मजबूत बनाएं। इस पर सभी ग्राम-नगर और महानगर की शाखाएं ध्यान दें, साथ-ही संघ शाखाओं के पदाधिकारियों के नाम, पते, फोन व मोबाइल नम्बर जैसी आवश्यक जानकारी से संघ के प्रधान कार्यालय नेहरु पार्क-जोधपुर को अवगत कराएं।

आप-हम-सब संघ के अंग हैं। संघ-दीप्ति में हमारा तन-मन-धन से, समय का भोग देकर और समर्पित भाव से सहयोग बना रहना चाहिए।

रत्नसंघ में अनेकानेक प्रवृत्तियों का संचालन होता है। संघ का हर सदस्य संघहित में सदा-सर्वदा समर्पित रहे, इस अनिवार्यता के साथ मेरा यह भी अनुरोध है कि जिसे जो भी कार्य-दायित्व दिया जाय, संघ का प्रत्येक सदस्य उसे प्राण-पण से निभाने को तत्पर रहे। मेरी आप-सबसे अपील है कि संघ-सेवा में आप अपनी शक्ति व श्रद्धा का सदुपयोग कर संघ की जाहोजलाली में सहभागी बनें।

मैं आप-सबकी प्रसन्नता व स्वस्थता के साथ आपके सकारात्मक सहयोग और रचनात्मक योगदान का आकांक्षी हूं। आपको जब भी अवसर हो संघ के प्रधान कार्यालय में आकर अपने अनुभवजन्य विचारों से अवगत कराते रहें। संघहित में आपके जो भी सुझाव उचित लगेंगे, उन पर ध्यान देने का हमारा प्रयास रहेगा।

''मैं संघ का हूँ, संघ मेरा है।'' इस सूत्र को हम सब जीवन-व्यवहार में चरितार्थ करें, इस शुभ भावना के साथ वर्ष 2019 आप-हम-सबके लिए मंगलकारी हो, हार्दिक बधाई! शुभकामना!!

आपका अपना,
प्रकाश टाटिया
राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संघ का प्रथम सेवक

विचरण–विहार

(दिनांक 20.02.2019 .की स्थिति)

☆ परमश्रद्धेय आचार्यप्रवर श्री हीराचन्द्र जी म.सा. आदि ठाणा 8 **पीपाड़ शहर**

☆ परमश्रद्धेय उपाध्यायप्रवर श्री मानचन्द्र जी म.सा. आदि ठाणा 7
शक्तिनगर, जोधपुर

☆ सेवाभावी श्रद्धेय श्री नन्दीषेणमुनिजी म.सा. आदि ठाणा 2 **मारवाड़ जंक्शन**

☆ तत्त्वचिन्तक श्रद्धेय श्री प्रमोदमुनिजी म.सा. आदि ठाणा 5 **दिग्विजय नगर**

☆ श्रद्धेय श्री मनीषमुनिजी म.सा. आदि ठाणा 2 **आगोलाई**

☆ साध्वीप्रमुखा विदुषी महासती श्री तेजकंवरजी म.सा. आदि ठाणा 11
गायत्री नगर, जयपुर

☆ विदुषी महासती श्री सुशीलाकंवरजी म.सा. आदि ठाणा 5 **पुष्कर रोड़, अजमेर**

☆ विदुषी महासती श्री सौभाग्यवतीजी म.सा. आदि ठाणा 5 **अंधेरी, मुम्बई**

☆ व्याख्यात्री महासती श्री मनोहरकंवरजी म.सा. आदि ठाणा 3
वैशाली नगर, अजमेर

☆ व्याख्यात्री महासती श्री सोहनकंवरजी म.सा. आदि ठाणा 4 **गुलाबपुरा**

☆ व्याख्यात्री महासती श्री सरलेशप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा 3 **जोबनेर**

☆ व्याख्यात्री महासती श्री चन्द्रकलाजी म.सा. आदि ठाणा 8 **पावटा, जोधपुर**

☆ व्याख्यात्री महासती श्री इन्दुबालाजी म.सा. आदि ठाणा 10 **सिंधनूर (कर्ना.)**

☆ व्याख्यात्री महासती श्री विमलावतीजी म.सा. आदि ठाणा 3 **बोरुन्दा**

☆ व्याख्यात्री महासती श्री ज्ञानलताजी म.सा. आदि ठाणा 10 **ब्यावर**

☆ व्याख्यात्री महासती श्री चारित्रलताजी म.सा. आदि ठाणा 5
गीता भवन रोड, जोधपुर

☆ व्याख्यात्री महासती श्री निःशल्यावतीजी म.सा. आदि ठाणा 5
रानियाबिंदूर (कर्ना.)

☆ व्याख्यात्री महासती श्री मुक्तिप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा 4 **ढगाला (पंजाब)**

☆ सेवाभावी महासती श्री विमलेशप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा 3 **निजरगांव (गुज.)**

☆ व्याख्यात्री महासती श्री रूचिताजी म.सा. आदि ठाणा 6 **चित्रदुर्गा (कर्ना.)**

☆ महासती श्री पदमप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा 4 **लोहारा (महा.)**

☆ व्याख्यात्री महासती श्री निष्ठाप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा 3 **पीपाड़ शहर**

☆ व्याख्यात्री महासती श्री संगीताश्रीजी म.सा. आदि ठाणा 3 **रणसीगांव**

सभी संत-सती मण्डल के रत्नत्रय की साधना में सहायक स्वास्थ्य में समाधि है तथा विचरण विहार सुख-शांति पूर्वक चल रहा है।

भगवान आदिनाथ का जन्म कल्याणक तथा आचार्यप्रवर श्री हीराचन्द्र जी म.सा. का जन्म–दिवस तप–त्याग के साथ मनाएं

प्रथम तीर्थकर आदिनाथ भगवान का जन्म कल्याणक एवं रत्न संघ के अष्टम पट्टधर, व्यसन मुक्ति के प्रबल प्रेरक, जिनशासन गौरव, परम श्रद्धेय आचार्यप्रवर 1008 श्री हीराचन्द्रजी म.सा. का 81वाँ जन्म दिवस चैत्र कृष्णा अष्टमी, गुरुवार दिनांक 28.03.2019 को उपस्थित हो रहा है। इस प्रसंग को त्याग-तप एवं धर्म आराधना के साथ मनाने का विनम्र निवेदन है। सभी संघ सदस्यों से विनम्र निवेदन हैं कि जन्म दिवस के अवसर पर पूरे भारतवर्ष में पांच-पांच सामायिक एवं सामूहिक उपवास व्रत की आराधना का लक्ष्य रखें। इसके अतिरिक्त अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य के अनुसार त्याग-तप की आराधना कर पूज्य गुरुदेव के चरणों में सच्ची श्रद्धा समर्पित करें। संघ की सभी सहयोगी संस्थाएं एवं संघ की सभी शाखाएं इस अवसर पर अपने-अपने क्षेत्रों में धार्मिक कार्यक्रमों की रुपरेखा बनाकर धर्म आराधना का लक्ष्य रखें, इस अवसर पर आपके यहां संपन्न कार्यक्रमों की रिपोर्ट संघ कार्यालय को अवश्य प्रेषित करें। -धनपत सेठिया, संघ महामंत्री

आगामी चातुर्मासों की घोषणा 13 अप्रेल 2019 को संभावित

आगमज्ञ, प्रवचन-प्रभाकर, व्यसनमुक्ति के प्रबल प्रेरक, जिनशासन गौरव परम श्रद्धेय आचार्यप्रवर 1008 श्री हीराचन्दजी म.सा. ने पीपाड़शहर में दिनांक 18 फरवरी, 2019 को वर्ष 2019 के चातुर्मास चैत्र शुक्ला अष्टमी, शनिवार, तदनुसार 13 अप्रेल 2019 को स्वीकृत करने की भावना दर्शायी। विनतियाँ करने वाले श्रीसंघ सूचित रहें।

तप और दान के विशिष्ट पर्व अक्षय–तृतीया पर एकान्तर तप–साधकों से निवेदन

आगमज्ञ, प्रवचन-प्रभाकर, व्यसनमुक्ति के प्रबल प्रेरक, जिनशासन गौरव, परम श्रद्धेय आचार्यप्रवर 1008 श्री हीराचन्द्रजी म.सा. ने तप और दान के विशिष्ट पर्व अक्षय-तृतीया की अभी घोषणा तो नहीं की है पर पूज्य गुरुदेव के लम्बे विहार की स्थिति नहीं होने से अक्षय तृतीया मारवाड़ में होनी संभावित है। तप-साधक पूज्य गुरुदेव के मुखारविन्द से तप और दान का महात्म्य श्रवण कर संघ के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में पारणक करते हैं, अतः वैशाख शुक्ला तृतीया, मंगलवार, तदनुसार 7 मई 2019 के स्थान विशेष की जानकारी घोषणा होने पर दी जा सकेगी।

इस अवसर पर संघनायक के श्रीचरणों में उपस्थित होकर जो भी तपस्वी भाई-बहिन दान एवं तप के महात्म्य को श्रवण कर नवीन त्याग प्रत्याख्यान ग्रहण करना चाहते हैं, वे सभी साधक इस अवसर पर अपने पधारने की स्वीकृति नाम एवं सदस्य संख्या का उल्लेख करते हुए संघ के प्रधान कार्यालय नेहरुपार्क जोधपुर, ईमेल- absjrhssangh@gmail.com, फोन नं.0291- 2636763 / 2641445 पर

अवश्य प्रेषित करावें। -धनपत सेठिया, संघ महामंत्री

आचार्य भगवन्त पूज्य श्री हस्तीमल जी म.सा. के जन्म–दिवस तथा दीक्षा दिवस पर देशभर में धर्माराधना

प्रातः स्मरणीय सामायिक स्वाध्याय के प्रबल प्रेरक परम पुज्य गुरुदेव 1008 श्री हस्तीमलजी म.सा. का 109वां जन्म-दिवस पौष शुक्ला चतुर्दशी रविवार दिनांक 20 जनवरी 2019 तथा 99वां दीक्षा-दिवस 6 फरवरी 2019 के पावन अवसर पर परम श्रद्धेय आचार्यप्रवर, उपाध्यायप्रवर एवं संत-सती वर्ग की पावन प्रेरणा से देश के विभिन्न क्षेत्रों में सामायिक-स्वाध्याय की साधना, तप-त्याग एवं धर्माराधना सम्पन्न हुई। परमश्रद्धेय आचार्यप्रवर श्री हीराचन्द्र जी म.सा. के पावन सान्निध्य में रणसीगांव में, उपाध्यायप्रवर श्री मानचन्द्रजी म.सा. के सान्निध्य में जोधपुर में तथा सभी संत-सती वर्ग जहां विराजमान थे, उनके पावन सानिध्य में इन पावन प्रसंगों पर सामायिक स्वाध्याय की आराधना के साथ एकासन, उपवास, आयम्बिल, दया संवर, पौषध आदि की आराधना हुई। साथ ही मुम्बई, नागपुर, जलगांव, नंदुरबार, निफाड़, अहमदाबाद, सूरत, उमरगांव, चैन्नई, हैदराबाद, बीजापुर, बैंगलुरू, जबलपुर, जोधपुर, जयपुर, पीपाड़ शहर, अजमेर, पाली, बालोतरा, सवाईमाधोपुर, चौथ का बरवाड़ा, अलीगढ़ रामपुरा, खेरली, नदबई, हिण्डौन सिटी आदि अनेक स्थानों पर इन पावन दिवसों को धर्माराधना के साथ मनाया गया।

संघ एवं संघ की सहयोगी संस्थाओं के पदाधिकारीगण

अखिल भारतीय श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ की कार्यकारिणी गठन के सम्बन्ध में अध्यक्ष एवं कार्याध्यक्ष द्वारा गहनता से विचार कर श्री धनपतजी सेठिया, जोधपुर को महामंत्री पद पर मनोनीत किया गया। तत्पश्चात महामंत्री के साथ विचार-विमर्श कर दिनांक 14.01.2019 को निम्नांकित पदाधिकारियों का मनोनयन किया गया है :-

अखिल भारतीय श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ

अध्यक्ष	न्याया. श्री प्रकाशजी टाटिया, जोधपुर-जयपुर	73400-60665
कार्याध्यक्ष	श्री आनंदजी चौपड़ा, जयपुर	75686-20000
कार्याध्यक्ष	श्री बुधमलजी बोहरा, चेन्नई	94442-35065
उपाध्यक्ष (संगठन)	श्री सुरेशजी चोरड़िया, चेन्नई	94440-28840
उपाध्यक्ष (आचार्य हस्ती अंहिसा शोध संस्थान एवं अल्पसंख्यक)	श्री नवरतनजी डागा, जोधपुर	98280-32215
उपाध्यक्ष(विहार सेवा)	श्री पारसमलजी गिड़िया, जोधपुर	94601-08060
उपाध्यक्ष (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य)	श्री मनमोहनजी कर्नावट, जोधपुर,	94141-35385
उपाध्यक्ष (मुमुक्षु सेवा व स्थानक निर्माण)	श्री प्रमोदजी लोढ़ा, जयपुर	98290-51083

महामंत्री	श्री धनपतजी सेठिया, जोधपुर	98290-22472
संयुक्त महामंत्री	श्री प्रकाशजी सालेचा, जोधपुर	94610-26279
संयुक्त महामंत्री	श्री उगमराजजी कांकरिया, चेन्नई	94443-51245
कोषाध्यक्ष	श्री बसन्तजी जैन, मुम्बई	98203-50814
सह कोषाध्यक्ष	श्री लोकेन्द्रनाथजी मोदी, जोधपुर	94131-64703
मंत्री (समन्वय)	श्री राजेन्द्रजी जैन 'राजा', जयपुर	94142-24209
मंत्री (नवीन उपक्रम)	श्री राजेन्द्रजी जैन, जोधपुर	94142-11459
संयोजक (छात्रवृत्ति योजना)	श्री हरीशजी कवाड़, चेन्नई	95001-14455
संयोजक (पेशेवर समुदाय समिति)	श्री शेखरजी भण्डारी, मुम्बई	98199-55506
संयोजक(शिक्षा समिति)	श्री प्रमोदजी महनोत, जयपुर	98290-52094
संयोजक (वात्सल्य निधि)	श्री सुमतिचन्दजी मेहता, पीपाड़शहर	94144-62729

सम्यग्ज्ञान प्रचारक मण्डल

अध्यक्ष	श्री चंचलमलजी बच्छावत, कोलकाता	98301-25000
कार्याध्यक्ष	श्री विनयचन्दजी डागा, जयपुर	93145-06509
कार्याध्यक्ष	डॉ. धर्मचन्दजी जैन, जोधपुर	94132-53084

अखिल भारतीय श्री जैन रत्न श्राविका मण्डल

अध्यक्ष	श्रीमती मंजूजी भण्डारी, बैंगलोर	93826-79660
कार्याध्यक्ष	श्रीमती बीनाजी मेहता, जोधपुर	97727-93625
कार्याध्यक्ष	श्रीमती सुशीलाजी भण्डारी, रायचूर	93420-30644
महासचिव	श्रीमती अलकाजी दुधेड़िया, अजमेर	98281-56250
कोषाध्यक्ष	श्रीमती रेखाजी सुराणा, जोधपुर	94614-75910

अखिल भारतीय श्री जैन रत्न युवक परिषद्

अध्यक्ष	श्री मनीषजी मेहता, जयपुर	94140-58188
कार्याध्यक्ष	श्री विवेकजी लोढ़ा, जयपुर	96101-11555

श्री स्थानकवासी जैन स्वाध्याय संघ

संयोजक	श्री सुभाषजी हुण्डीवाल, जोधपुर	94605-51096

अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड

संयोजक	श्री अशोकजी बाफना, चेन्नई	94442-70145

अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक संस्कार केन्द्र

संयोजक	श्री राजेशजी कर्नावट, जोधपुर	94141-28925

रत्न संघ द्वारा जैन पंचांग एवं जैन कलेण्डर का शीघ्र प्रकाशन

प्रतिवर्ष अखिल भारतीय श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ,जोधपुर द्वारा जैन पचांग एवं अखिल भारतीय श्री जैन रत्न युवक परिषद द्वारा जैन कलेण्डर का प्रकाशन किया जाता है। दिसम्बर माह के समाप्त होते ही संघ सदस्यों द्वारा कलेण्डर प्रकाशन की जिज्ञासा स्वाभाविक है। इस सम्बन्ध में संघ सदस्यों से निवेदन है कि गत वर्ष अखिल भारतीय श्री जैन रत्न युवक परिषद ने 31 मार्च 2019 तक का कलेण्डर प्रकाशित किया था, इस कारण से नया कलेण्डर एवं पंचांग दोनों एक साथ 31 मार्च तक संघ सदस्यों को प्राप्त हो जाये, ऐसा प्रयास रहेगा।

संघ की जोधपुर सहित कई शाखाओं में पदाधिकारियों का मनोनयन

अखिल भारतीय श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ, जोधपुर के आगामी कार्यकाल हेतु नये पदाधिकारियों के मनोनयन के पश्चात् सभी शाखाओं में भी नव मनोनयन की प्रक्रिया प्रारम्भ हो चुकी है। जोधपुर सहित कई शाखाओं में नवीन पदाधिकारियों का मनोनयन कर लिया गया है।

जोधपुर शाखा द्वारा आयोजित आमसभा में अध्यक्ष के रूप में श्री सुभाष जी गुन्देचा का चयन किया गया। उन्होंने सचिव के रूप में श्री नवरतन जी गिड़िया तथा कोषाध्यक्ष के रूप में श्री जिनेन्द्र जी ओस्तवाल को मनोनीत किया है। जोधपुर श्राविका मण्डल के अध्यक्ष के रूप में श्रीमती सुमन जी सिंघवी तथा मंत्री के रूप में श्रीमती काजल जी देशरला को मनोनीत किया गया। जोधपुर युवक परिषद् के अध्यक्ष के रूप में श्री गजेन्द्र जी चौपड़ा तथा सचिव के रूप में श्री लोकेश सुरेन्द्र जी कुम्भट का मनोनयन किया गया।

इसी तरह वर्द्धमान नगर-हिण्डौन सिटी में अध्यक्ष के रूप में श्री भागचन्द जी जैन 'शेखपुरा वाले' तथा सचिव के रूप में श्री राजेश कुमार जी जैन 'खेडला वाले' का मनोनयन हुआ है। शहर सवाईमाधोपुर में अध्यक्ष के रूप में श्री धर्मचन्द जी जैन 'करेला वाले' तथा मंत्री के रूप में श्री मुकेश जी जैन 'करेला वाले' का मनोनयन हुआ। नागौर शाखा में अध्यक्ष के रूप में श्री मनोज कुमार जी कांकरिया तथा मंत्री के रूप में श्री निर्मल जी सुराणा का मनोनयन हुआ।

संघ की हैदराबाद शाखा में श्री श्रीपाल जी देशलहरा को अध्यक्ष तथा श्री मिलापचन्द जी छाजेड़ को मंत्री के रूप में मनोनीत किया गया। इसी के साथ हैदराबाद श्राविका मण्डल में श्रीमती उगमदेवी जी डोशी को अध्यक्ष तथा श्रीमती संगीता जी सिंघवी को मंत्री के रूप में मनोनीत किया गया। हैदराबाद युवक परिषद् में अध्यक्ष के रूप में श्री सुरेश जी गुन्देचा तथा मंत्री के रूप में श्री महावीर जी बोहरा को मनोनीत किया गया।

किशनगढ शाखा में श्री प्रमोद कुमार जी मोदी को अध्यक्ष तथा श्री संदीप जी

मेहता को मंत्री के रूप में मनोनीत किया गया। कोलकाता शाखा में डॉ. गुमानसिंह जी पीपाड़ा को अध्यक्ष तथा श्री कमलचन्द जी भंडारी को मंत्री के रूप में मनोनीत किया गया। खेरली शाखा में श्री कमलचन्द जी जैन को अध्यक्ष तथा श्री ओमप्रकाश जी जैन को मंत्री के रूप में मनोनीत किया गया।

संघ की जिन शाखाओं में नवीन पदाधिकारियों का मनोनयन हो गया है, उन्हें संघ द्वारा हार्दिक बधाई। साथ ही शेष शाखाओं से निवेदन है कि वे अपने यहां नवीन पदाधिकारियों का शीघ्र मनोनयन कर सूचना संघ कार्यालय को भिजवाने का श्रम करावें।

रत्नसंघ एप्प के बढ़ते कदम तथा ऑनलाईन डोनेशन सुविधा का प्रारम्भ

अखिल भारतीय श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ द्वारा श्री विकासजी गुंदेचा एवं उनकी टीम के सद्प्रयासों से सर्वप्रथम वेबसाईट तथा उसके बाद रत्न संघ की एप्प का निर्माण किया गया। दोनों तकनिकी साधन रत्नबंधुओं के लिए बहूपयोगी सिद्ध हो रहे हैं। रत्नसंघ मोबाइल एप्प में निरन्तर नये फीचर्स एवं उपयोगी सामग्री अद्यतन की जा रही है। वर्तमान में एप्प रत्नसंघ निर्देशिका के माध्यम से देशभर के रत्नबंधुओं की जानकारी, विचरण-विहार के माध्यम से संत-सतीमण्डल के विहार स्थिति की जानकारी, जैन कैलेण्डर में पर्व-तिथियों, सूर्योदय-सूर्यास्त, चौघड़िया आदि की सटीक जानकारी प्राप्त की जा सकती है। पच्चक्खाण, सामायिक-सूत्र, प्रतिक्रमण सूत्र, पच्चीस बोल के पाठ शाब्दिक अर्थ सहित शुद्ध उच्चारण हेतु ऑडियों के साथ दिये गये हैं। जिनवाणी पत्रिका, स्वाध्याय शिक्षा, रत्नम् पत्रिकाओं के साथ ही सम्यग्ज्ञान प्रचारक मण्डल द्वारा प्रकाशित पुस्तकें तथा शिक्षण बोर्ड द्वारा प्रकाशित सभी कक्षाओं की पुस्तकें भी एप्प पर उपलब्ध है। छोटे बच्चों को संस्कारित करने हेतु महापुरुषों की कहानियां चित्र सहित इसमें उपलब्ध कराई गई हैं। विभिन्न प्रार्थनाएं भी एप्प में समाहित की गई हैं। सचित्त-अचित्त एवं शुद्ध धोवन पानी का ज्ञान भी इस एप्प के माध्यम से किया जा सकता है।

नये फीचर्स के रूप में एप्प में साधना-आराधना तथा प्रश्नमंच अद्यतन किये जा चुके हैं। साधना-आराधना के अन्तर्गत हमने प्रतिदिन कितनी सामायिक की, किन-किन चीजों का त्याग किया, कौन-कौनसे व्रत ग्रहण किये, कौनसी तपस्या की, आदि जानकारी डालकर साप्ताहिक, मासिक, वार्षिक अथवा वांछित अवधि की रिपोर्ट प्राप्त कर सकते हैं। एप्प में सामायिक-सूत्र, प्रतिक्रमण सूत्र, पच्चीस बोल के साथ ही शिक्षण बोर्ड की कक्षानुसार क्वीज तैयार किये गये हैं, जिसमें भाग लेकर परीक्षा की तैयारी की जा सकती है।

प्रातः स्मरणीय सामायिक स्वाध्याय के प्रबल प्रेरक पूज्य गुरुदेव श्री हस्तीमलजी म.सा. की 99वीं दीक्षा जयन्ती के पावन प्रसंग पर माघ शुक्ला द्वितीया दिनांक 06.02.2019 को एप्प में ऑन लाईन डोनेशन की सुविधा प्रारम्भ की गई है। एप्प में अर्थ सहयोग फीचर्स कार्यक्रम प्रारम्भ के प्रथम दिन ही संघ सदस्यों से 1 लाख 86 हजार रुपए की राशि प्राप्त हुई। इस सुविधा से एप्प के माध्यम से आपकी जब

इच्छा हो तब आप संघ को सहयोग राशि सरलता पूर्वक भेजकर ऑन लाईन ही राशि की रसीद प्राप्त कर सकते हैं। सभी संघ सदस्यों से निवेदन है कि अपने घर में उपस्थित जन्म दिवस, शादी की वर्षगांठ जैसे मंगल कार्यक्रम तथा पुण्य दिवस एवं शोकादि प्रसंगों पर संघ को अवश्य याद करें। आपका उदारता पूर्वक सहयोग संघ को सक्षम एवं स्वावलम्बी बनाने में सहयोगी होगा। आप द्वारा प्रदत्त राशि पर आप 80G की सुविधा भी प्राप्त कर सकते है।

एप्प के सभी फीचर्स को प्रयोग में लेने हेतु कई एनिमेशन विडियों भी वॉट्सअप् के माध्यम से भेजी जा रही है। एप्प की बहुउपयोगिता हम सभी के प्रयोग पर निर्भर करती है। सभी रत्न बन्धु स्वयं तो इस एप्प का अधिकाधिक उपयोग करें ही साथ ही अपने सम्पर्क में आने वाले रत्नबंधुओं को भी इसकी महत्ता समझाये। प्रत्येक रत्न-परिवारों के सदस्यों के मोबाइल में यह एप्प अवश्य डाउनलोड हो, ऐसा प्रयास अपेक्षित है। -धनपत सेठिया, संघ महामंत्री

शिक्षण बोर्ड की आगामी परीक्षा 21 जुलाई 2019 को

अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड की कक्षा 1 से 12 तक की आगामी परीक्षा दिनांक 21 जुलाई-2019, रविवार को दोपहर 12.30 बजे से आयोजित की जाएगी।

1. परीक्षा, ज्ञान वृद्धि का प्रमुख साधन है। क्रमबद्ध एवं सही ज्ञान ही व्यक्ति को हित-अहित की जानकारी कराता है। अतः ज्ञान बढ़ाने एवं सुसंस्कार पाने हेतु आप स्वयं भी परीक्षा दे तथा अन्य भाई-बहनों को भी परीक्षा में भाग लेने की प्रभावी प्रेरणा कर धर्म दलाली का लाभ प्राप्त करें।
2. कम से कम 10 परीक्षार्थी होने पर परीक्षा केन्द्र नया प्रारंभ किया जा सकता है।
3. परीक्षा से सम्बन्धित पुस्तकें शिक्षण बोर्ड कार्यालय से प्राप्त की जा सकती हैं।
4. सभी उत्तीर्ण परीक्षार्थियों को प्रोत्साहन पुरस्कार व मेरिट में आने वालों को विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।
5. परीक्षा में भाग लेने हेतु आवेदन-पत्र भरकर जमा कराने की अंतिम दिनांक 21 जून-2019 है।

परीक्षा सम्बन्धी अन्य जानकारी के लिए सम्पर्क करें- शिक्षण बोर्ड कार्यालय- सामायिक-स्वाध्याय भवन, नेहरू पार्क, जोधपुर-342003 (राज) 291-2630490।

शिक्षण बोर्ड द्वारा आयोजित थोकड़ों की परीक्षा का परिणाम घोषित

अ.भा. श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड की 6 जनवरी 2019 को आयोजित थोकड़ों की परीक्षा का परिणाम घोषित किया जा चुका है। संबंधित परीक्षार्थियों को SMS द्वारा प्राप्तांकों की जानकारी भेजी जा चुकी है।

इस परीक्षा में 1509 परीक्षार्थियों ने भाग लिया, जिसमें से 1190 परीक्षार्थी

उत्तीर्ण हुए। परिणाम 78.86 प्रतिशत रहा। यह परीक्षा 162 केन्द्रों पर आयोजित की गई। -सुभाषचन्द नाहर, सचिव

पर्युषण पर्वाराधना हेतु स्वाध्यायी आमंत्रित कीजिए

श्री स्थानकवासी जैन स्वाध्याय संघ जोधपुर विगत 73 से भी अधिक वर्षो से संत-सतीयों के चातुर्मास से वंचित गांव-शहरों में पर्वाधिराज पर्युषण पर्व के पावन अवसर पर धर्माराधना हेतु योग्य, अनुभवी एवं विद्वान स्वाध्यायों को बाहर क्षेत्र में भेजकर जिनशासन एवं धर्म संघ की महत्ती सेवा करता आ रहा है। इस वर्ष किसी कारण से आपको संत-सती वर्ग का चातुर्मास प्राप्त नहीं हुआ हो तो आप पर्वाराधना हेतु स्वाध्याय संघ जोधपुर से स्वाध्यायी आमंत्रित कर सकते हैं। आवेदन करने का पता संयोजक/सचिव श्री स्थानकवासी जैन स्वाध्याय संघ प्लॉट नम्बर 2 सामायिक स्वाध्याय भवन, नेहरुपार्क जोधपुर 342003 राजस्थान फोन नं. 0291-2624891/2636763, 9414126279 (कार्यालय) पर सम्पर्क कर सकते हैं। दक्षिण भारत के संघ इस हेतु चैन्नई में श्री नवरतनजी बाघमार, संयोजक 09444051065 से सम्पर्क कर सकते हैं।

संस्कार केन्द्र, जोधपुर द्वारा गुरु हस्ती के जन्म–दिवस पर कार्यक्रम

सामायिक स्वाध्याय के प्रबल प्रेरक, परम श्रद्धेय आचार्य भगवन श्री 1008 श्री हस्तीमलजी म.सा. का 109वां जन्म दिवस दिनांक 20.01.2019, रविवार को त्याग-तप के साथ मनाया गया । इस उपलक्ष्य में अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक संस्कार केन्द्र, जोधपुर के सभी रविवारिय संस्कार शिविरों में आचार्य श्री हस्तीमलजी म.सा. के जन्म, वैराग्य और अध्ययन, चार मुमुक्षुओं की दीक्षा, आचार्यपद हेतु मनोनयन, व्यक्तित्व की विशेषताएँ, साहित्य साधना, आदर्श दिनचर्या, संथारापूर्वक समाधि-मरण आदि के बारे में जोधपुर के संस्कार केन्द्रों के जिसमें 611 बच्चों, अध्यापकों, संयोजकों, कार्यकर्ताओं एवं सेवकों को सारगर्भित जानकारी प्रदान की गई ।

सामायिक दर्शन' पुस्तक पर खुली पुस्तक प्रतियोगिता

अखिल भारतीय श्री जैन रत्न श्राविका मण्डल द्वारा बने आगम अध्येता योजना के अन्तर्गत आगमों के पश्चात् "सामायिक दर्शन" प्रश्नोत्तरी पर खुली पुस्तक प्रतियोगिता के आयोजन की 6 अक्टूबर 2018 को श्राविका मण्डल के वार्षिक अधिवेशन में घोषणा की गई। इस प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 5000/- द्वितीय पुरस्कार 4000/-, तृतीय पुरस्कार 3000/- तथा प्रथम 11 प्रतियोगी को 1000/- और 95 प्रतिशत से ऊपर प्राप्तांक प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को विशेष पुरस्कार 500/- तथा 70 प्रतिशत से ऊपर प्राप्तांक प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को प्रोत्साहन पुरस्कार 100/- प्रदान किया जायेगा। खुली पुस्तक परीक्षाओं में भाग लेने वाले विजेता प्रतिभागियों की पुरस्कार राशि उनके बैंक खाते में नेफ्ट द्वारा

हस्तान्तरित की जायेगी। पुस्तक का वितरण 6 अक्टूबर 2018 से प्रारम्भ कर दिया गया। उत्तर पुस्तिका जमा कराने की अन्तिम तिथि 30 अप्रेल 2019 रखी गई है। प्रश्न-पुस्तिका जोधपुर कार्यालय (0291) 2636763 / 9413132362 तथा जयपुर (0141) 4068798 / 9461663545 से मंगवा सकते हैं।

श्राविका मण्डल द्वारा उत्तराध्ययन-सूत्र व आवश्यकसूत्र के पारितोषिक प्रतिभागियों के जो बैंक खाते प्राप्त हुए हैं उनको प्रोत्साहन राशि भेजी जा चुकी है। जिनके बैंक खाते प्राप्त नहीं हुए हैं, उनको पारितोषिक भेजना संभव नहीं हो सकेगा।

अतः प्रतियोगिता विजेता प्रतिभागी अपना नाम, स्थान का उल्लेख करने के साथ निम्न जानकारी भिजवाने का श्रम करावें:- Name of Bank, Name of Account holder, Bank Account Number, Bank Place, Bake IFS code, Mobile No.

- बीना मेहता, कार्याध्यक्ष

'जैन' समाज के विशेषाधिकार एवं विकास योजनाएँ

जैन समाज को राष्ट्रीय स्तर पर 'अल्पसंख्यक' दर्जा मिलने के पश्चात् केन्द्र सरकार और राज्य सरकारों की अल्पसंख्यक समाज के विकास हेतु संचालित सभी योजनाएँ 'जैन समाज' के लिए उपलब्ध हैं।

1. शैक्षिक सशक्तीकरण योजना- किसी भी कक्षा, किसी भी तरह के शैक्षणिक पाठ्यक्रम के लिये छात्रवृत्ति मिलती है। विदेशों में अध्ययन के लिये शिक्षा-ऋण भी मिलता है। पिछली कक्षा में 50 प्रतिशत अंक आवश्यक हैं।
2. आर्थिक सशक्तीकरण योजना- समाज के आर्थिक उन्नयन हेतु कौशल-विकास के विविध अवसर तथा स्व-रोजगार हेतु कम ब्याज पर ऋण उपलब्ध करवाये जाते हैं।
3. महिला सशक्तीकरण योजना- (शादी शगुन) इस योजना के अन्तर्गत स्कॉलरशिप योजना की लाभार्थी बालिकाओं को आगे की शिक्षा जारी रखते हुए स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण करने पर अथवा उनके विवाह के समय सरकार द्वारा 51000 / - रुपये की राशि भेंट स्वरूप प्रदान की जाती है।

उपर्युक्त योजनाओं का वर्तमान में लाभ उठाने व भविष्य में सरकार द्वारा नई योजनाएँ घोषित होने पर निम्न दस्तावेजों की आवश्यकता पड़ सकती है। अतः आपसे अनुरोध कि आप निम्नांकित सभी दस्तावेज तैयार कर लें।

1. मूल निवास प्रमाण-पत्र बनाने के लिये आवश्यक दस्तावेज- 1. स्वयं का आधार कार्ड, 2. वोटर कार्ड (स्वयं / पिता / माता), 3. राशन कार्ड, 4. जन्म प्रमाण-पत्र, 5. शैक्षणिक योग्यता (जन्मतिथि सहित), 6. पासपोर्ट साइज दो फोटो।
2. अल्पसंख्यक प्रमाण-पत्र बनाने के लिये आवश्यक दस्तावेज- 1. मूल निवास प्रमाण-पत्र, 2. स्वयं का आधार कार्ड, वोटर कार्ड (स्वयं / पिता / माता), 4. राशन कार्ड, 5. जन्म प्रमाण-पत्र, 6. शैक्षणिक योग्यता (जन्मतिथि सहित), पासपोर्ट साइज दो फोटो।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:- नवरतन डागा, उपाध्यक्ष

(अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ), अखिल भारतीय श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ, जोधपुर (राज.), व्हाट्स अप नम्बर : 98280-32215, विशेष जानकारी के लिए सम्पर्क करें-82097-21992 (मोबाइल)।

आचार्य हस्ती आध्यात्मिक शिक्षण संस्थान,जयपुर (सिद्धान्त–शाला) में वर्ष 2019 के प्रवेश हेतु रजिस्ट्रेशन प्रारम्भ

भारतवर्ष के जैन विद्यार्थियों के लिए संस्थान में प्रवेश हेतु रजिस्ट्रेशन 01 जनवरी 2019 से प्रारम्भ है। संस्थान में प्रवेश के लिए कक्षा 9वीं से उच्च कक्षा के कोई भी विद्यार्थी रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। माह जून 2019 में प्रवेश के लिए चयनयोग्य छात्रों का साक्षात्कार आयोजित किया जायेगा। परम श्रद्धेय आचार्य प्रवर 1008 श्री हस्तीमल जी म.सा की प्रेरणा से वर्ष 1973 में संस्थापित शिक्षण संस्थान में आध्यात्मिक शिक्षण के साथ-साथ उच्च अध्ययन की समुचित व्यवस्था है। साथ ही सर्वांगीण विकास के लिए कई कार्यक्रम भी संचालित किये जाते हैं। संस्थान में विद्यार्थियों के लिए उचित आवास-भोजन व्यवस्था के साथ, कम्प्यूटर प्रशिक्षण, इंग्लिश स्पीकिंग क्लासेज, सेमिनार एवं मोटिवेशनल कक्षाएं आयोजित होती रहती हैं। शैक्षणिक अध्ययन के साथ संस्थान द्वारा निर्धारित धार्मिक पाठ्यक्रम का अध्ययन भी संस्थान में करवाया जाता है। जो छात्र संस्कारित रहकर जयपुर में उच्च अध्ययन करना चाहते हैं, वे रजिस्ट्रेशन करें।

रजिस्ट्रेशन फार्म रत्नसंघ की वेबसाइट ratansangh.com पर जाकर About us option पर Click कर आचार्य हस्ती आध्यात्मिक शिक्षण संस्थान के पेज से डाउनलोड किया जा सकता है। अधिक जानकारी एवं रजिस्ट्रेशन हेतु सम्पर्क करें:-सुमन कोठारी, संयोजक-098292-52113, डॉ. प्रेमसिंह लोढा 'व्यवस्थापक' -093145-02203, दिलीप जैन, प्राचार्य-94614-56489, ए-9 महावीर उद्यान पथ, बजाज नगर, जयपुर-302015, फोन न. 0141-2710946, Email: ahassansthan@gmail.com

बालिकाओं के लिए श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण संस्थान (छात्रावास), जयपुर में प्रवेश प्रारम्भ

सम्यग्ज्ञान प्रचारक मण्डल, जयपुर द्वारा संचालित श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण संस्थान (छात्रावास) में प्रवेश हेतु सत्र 2019-20 के लिए आवेदन-पत्र आमन्त्रित हैं। बालिकाओं के लिए छात्रावास में रहने व भोजन की व्यवस्था उपलब्ध है। बालिकाएँ संस्कार निर्माण, धार्मिक अध्ययन के साथ-साथ व्यावहारिक अध्ययन भी कर सकती हैं। कक्षा 9वीं, 10वीं, 11वीं, 12वीं एवं स्नातक प्रथम वर्ष में अध्ययन करने की इच्छुक बालिकाएँ आवेदन कर सकती हैं। प्राप्त आवेदन पत्रों में से प्रवेश के लिए चयनित छात्राओं का साक्षात्कार लिया जायेगा। छात्रावास में उन्हीं बालिकाओं को प्रवेश हेतु प्राथमिकता प्रदान की जायेगी जो आर्थिक रूप से कमजोर हों, लेकिन शैक्षणिक स्तर पर अच्छे अंकों से उत्तीर्ण हों। जो भी छात्राएँ जयपुर में रहकर उच्च अध्ययन करना

चाहती हैं, वे सम्पूर्ण जानकारी के साथ अपना आवेदन प्रेषित करावें। आवेदन में स्वयं का नाम, पिता का नाम, पत्राचार का पूर्ण पता, मोबाइल नं., जन्मतिथि, किस जैन संघ से संबंधित, पिछली तीन कक्षाओं का परिणाम एवं पारिवारिक वार्षिक आय का विवरण दें।

संस्थान में प्रवेश पाने वाली बालिकाओं को पूर्ण अनुशासन एवं संस्थान द्वारा निर्धारित नियमावली का पालन करना अनिवार्य है। बालिकाओं की सुरक्षा की पूरी व्यवस्था उपलब्ध है। आवेदन भेजने का पताः- मंत्री, सम्यग्ज्ञान प्रचारक मण्डल, दुकान न.182 के ऊपर, बापू बाजार, जयपुर-302003 (राज.), 0141-2575997, Email:sgpmandal@yahoo.in

अधिष्ठाता के लिए आवेदन आमंत्रित

सम्यग्ज्ञान प्रचारक मण्डल द्वारा संचालित श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण संस्थान (बालिका छात्रावास) मानसरोवर, जयपुर में स्थित है, जिसमें बाहर गाँवों से आकर अध्ययन करने वाली जैन छात्राओं के लिए आवास एवं भोजन की व्यवस्था है। यहाँ व्यावहारिक शिक्षा के साथ धार्मिक एवं आध्यात्मिक ज्ञान के माध्यम से जीवन में सुसंस्कारों का बीजारोपण भी किया जाता है। इस संस्थान को छात्राओं की समुचित देखभाल एवं धार्मिक अध्यापन करवाने वाली योग्य एवं अनुभवी महिला अधिष्ठाता की आवश्यकता है। योग्य महिलाएँ अपना सम्पूर्ण विवरण (बायोडेटा) मय शैक्षणिक योग्यता, छात्रावास संचालन के अनुभव (यदि हो तो) के साथ शीघ्र प्रेषित करावें। आवेदन भेजने का पताः- मंत्री, सम्यग्ज्ञान प्रचारक मण्डल, दुकान न.182 के ऊपर, बापू बाजार, जयपुर-302003 (राज.) फोन 0141-2575997, Email: sgpmandal@yahoo.in

रत्नम् में बधाई एवं शोक संदेश प्रकाशित

रत्नसंघ का मुखपत्र 'रत्नम्' सभी संघ-सदस्यों की सेवा में निरन्तर प्रेषित करने का प्रयास किया जा रहा है। इसमें संघ से संबंधित सभी आवश्यक सूचनाएं प्रकाशित करने का प्रयास है। आगामी अंकों में संघ-सदस्यों की विशेष उपलब्धियों हेतु बधाई के संदेश प्रकाशित किये जायेंगे। साथ ही शोक संदेश भी प्रकाशित करने का निर्णय लिया गया है। अतः संघ-सदस्यों से निवेदन है कि उपरोक्त समाचारों के साथ संबंधित संघ-सदस्य का पासपोर्ट साइज फोटों संघ कार्यालय को अथवा वॉट्सअप् नम्बर 9461026279 पर भिजवावें। -प्रकाश सालेचा, सम्पादक

संघ–सेवा सोपान में सहयोग दीजिए

संघ-सेवा, कर्म-निर्जरा का कारण है। इसलिए प्रत्येक सदस्य का कर्त्तव्य है कि वह तन-मन-धन और समर्पित भाव से संघ-सेवा में उत्तरोत्तर प्रगति करे। संघ अपनी सहयोगी संस्थाओं और शाखाओं के माध्यम से प्रत्येक संघ सदस्य तक पहुँचने के उद्देश्य के साथ ही ज्ञान-दर्शन चारित्र की अभिवृद्धि, स्वधर्मी-वात्सल्य एवं संघ-संगठन के कार्य में निरन्तर गतिशील है। प्रत्येक परिवार संघ के विकास और

उद्देश्यों की पूर्ति में तन-मन-धन से यथाशक्ति योगदान करें, इस पुनीत लक्ष्य से संघ ने संघ-सेवा सोपान योजना प्रारम्भ की है। संघ-सेवा सोपान योजना के अन्तर्गत संघ के कार्यो के चहुँमुखी विकास हेतु आर्थिक सहयोग प्रदान करने के लिए दीर्घकालीन योजना का प्रारूप रखा गया है। आप संघ एवं संघ की सहयोगी संस्थाओं द्वारा संचालित प्रवृत्तियों के कुशल संचालन के लिए संघ द्वारा प्रस्तावित विभिन्न श्रेणियों का अवलोकन कर संघ के सहयोगी बनने का लक्ष्य रखें। दानदाताओं के नाम संघ की मुख्य पत्रिका जिनवाणी एवम् समाचार पत्र रत्नम् में प्रकाशित किये जायेंगे। आपका सहयोग संघ का आधार है। आपके सहयोग, सुझाव एवं मार्गदर्शन से संघ चहुँमुखी विकास एवं प्रगति करेगा, ऐसा विनम्र विश्वास है।

-बसंत जैन, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष, अ.भा.श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ

अखिल भारतीय श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ को प्राप्त साभार

2200/- श्रीमती चन्द्रकलाजी जैन, जोधपुर-जीव दया हेतु।

2000/- श्री कन्हैयालालजी तालेड़ा, पुन्नमल्लै, चैन्नई, अपने सुपौत्र चि.विशालजी तालेड़ा सुपुत्र श्री नथमलजी तालेड़ा का शुभ-विवाह सौ.का. कीर्ति सुपुत्री श्री शेखरजी चौरड़िया, सुपौत्री श्री पीएम चौरड़िया, चेन्नई के संग दिनांक 8 फरवरी 2019 को सानंद सम्पन्न होने के उपलक्ष्य में।

2000/- श्री आनन्दचन्दसा मेहता, श्रीमती शशि जी मेहता, श्री अमितजी मेहता, श्री कुणाल जी मेहता कोलकाता-संघ सहयोग।

श्री स्थानकवासी जैन स्वाध्याय संघ, जोधपुर को प्राप्त साभार

2000/- श्री कन्हैयालाल जी तालेड़ा, पुन्नमल्लै चेन्नई, अपने सुपौत्र चि. विशाल सुपुत्र श्री नथमल जी तालेड़ा का शुभ विवाह सौ. कीर्ति सुपुत्री श्री शेखर जी चोरडिया सुपौत्री श्री पी.एम. चोरडिया, चेन्नई के संग दिनांक 08 फरवरी 2019 को सानंद सम्पन्न होने के उपलक्ष्य में।

1100/- डॉ. धर्मचन्दजी ऋषभकुमार जी जैन, मुम्बई चि. अंकित सुपुत्र श्रीमती मधु ऋषभजी का परिणय 10 फरवरी 2019 को कोटा में सौ. खुशबु सुपुत्री श्री बुद्धिप्रकाशजी जैन कोटा के साथ सानंद सम्पन्न होने की खुशी में।

501/- श्री कांतिलाल जी अभिनंदन जी जैन बूंदीवाले, जयपुर। चि. मोहित संग रजनी के शुभ विवाह के उपलक्ष्य में।

501/- श्री महेन्द्र जी जैन सचिव, हाउसिंग बोर्ड, सवाई माधोपुर। अपने सुपुत्र श्री हितेष के शुभ विवाह के उपलक्ष्य में।

500/- श्री सतीशचंद जी राकेश कुमार जी जैन, बजरिया, सवाई माधोपुर। अपने पूज्य पिताश्री श्रीमान् शांताप्रसाद जी जैन (श्यामपुरा वाले) का दिनांक 06.02.2019 को स्वर्गवास होने पर उनकी पावन स्मृति में।

अ. भा. श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड, को प्राप्त साभार

2200/- श्री दिलखुश राज जी मेहता, मुम्बई- सहायतार्थ (माह जनवरी-फरवरी)

2000/- श्री कन्हैयालाल जी तालेड़ा, पुन्नमल्लै चेन्नई, अपने सुपौत्र चि. विशाल सुपुत्र श्री नथमल जी तालेड़ा का शुभ विवाह सौ. कीर्ति सुपुत्री श्री शेखर जी चोरडिया सुपौत्री श्री पी.एम. चोरडिया, चेन्नई के संग दिनांक 08 फरवरी 2019 को सानंद सम्पन्न होने के उपलक्ष्य में।

अ.भा.श्री जैन रत्न आध्यात्मिक संस्कार केन्द्र को प्राप्त साभार

2000/- श्री कन्हैयालाल जी तालेड़ा, पुन्नमल्लै चेन्नई, अपने सुपौत्र चि. विशाल सुपुत्र श्री नथमल जी तालेड़ा का शुभ विवाह सौ. कीर्ति सुपुत्री श्री शेखर जी चोरडिया सुपौत्री श्री पी.एम. चोरडिया, चेन्नई के संग दिनांक 08 फरवरी 2019 को सानंद सम्पन्न होने के उपलक्ष्य में।

सामायिक उपकरण संघ कार्यालय में उपलब्ध

रत्नसंघ के प्रधान कार्यालय में सामायिक उपकरण का सेट लागत मूल्य से भी कम रियायती दर पर 200/- रुपये में उपलब्ध है।

आगामी पर्व

फाल्गुन कृष्ण 8	मंगलवार	26.02.2019	अष्टमी
फाल्गुन कृष्ण 14	मंगलवार	05.03.2019	चतुर्दशी
फाल्गुन कृष्ण 30	बुधवार	06.03.2019	पक्खी
फाल्गुन शुक्ल 8	गुरुवार	14.03.2019	अष्टमी
फाल्गुन शुक्ल 14	बुधवार	20.03.2019	फाल्गुनी चौमासी (चातुर्मासिक पर्व)
चैत्र कृष्ण 8	गुरुवार	28.03.2019	अष्टमी, भगवान आदिनाथ जन्म कल्याणक एवं आचार्यप्रवर पुज्य श्री हीराचन्द्रजी म.सा.का 81वाँ जन्म दिवस

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक धनपत सेठिया द्वारा अ.भा. श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ, नेहरू पार्क, जोधपुर (राज.) से प्रकाशित एवं इण्डियन मैप सर्विस, सेक्टर-जी, राममन्दिर के पास, शास्त्रीनगर, जोधपुर से मुद्रित सम्पादक-प्रकाश सालेचा
Website- www.ratnasangh.com, Email : absjrhssangh@gmail.com

इस अंक का सौजन्य- गुरुभक्त संघनिष्ठ श्री कनकराज जी महेन्द्र जी कुम्भट-जोधपुर, मुम्बई